व्यापार की योजना

आय उत्पन्न करने वाली गतिविधि-वर्मी-खाद

द्वारा

दुर्गा शक्ति - स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	दुर्गा शक्ति
वीएफडीएस नाम	::	तोरजाजारो
श्रेणी	::	धरमपुर
विभाजन	::	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार:

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जेआईसीए असिस्टेड)

क्रमांक	विवरण	पेज/एस
	पृष्ठभूमि	3
1	SHG/CIG . का विवरण	3-4
2	लाभार्थियों का विवरण	4
3	गांव का भौगोलिक विवरण	4-5
4	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
5	उत्पादन प्रक्रियाएं	5
6	उत्पादन योजना	6
7	बिक्री और विपणन	6
8	स्वोट अनालिसिस	6-7
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	7
10	अर्थशास्त्र का विवरण	7-9
1 1	आर्थिक विश्लेषण का अनुमान	9
12	फंड की आवश्यकता	9
13	फंड के स्रोत	9-10
14	बाबैंक ऋण चुकौती	10
15	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	10
16	निगरानी विधि	10-11
17	समूह सदस्य तस्वीरें	12-15

पृष्ठभूमि

सरल उत्पादन तकनीकों, पारिस्थितिक, आर्थिक और इससे जुड़े मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण वर्मी खाद देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत, विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में उद्यमियों द्वारा, सरकारी सहायता के तहत/तकनीकी मार्गदर्शन के साथ, बड़ी संख्या में वर्मिन कंपोस्टिंग इकाइयां स्थापित की गई हैं।

वर्मी कम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ट्रस्ट आदि हैं जो अपने स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मिन कंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

वर्मी कम्पोस्टिंग

केंचुए के पालन/उपयोग द्वारा कम्पोस्ट का उत्पादन वर्मिन कम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। इस तकनीक के तहत, केंचुए बायोमास खाते हैं और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं जिसे वर्मी कम्पोस्ट या वर्मिन कम्पोस्ट के रूप में जाना जाता है। यह छोटे और बड़े पैमाने के किसानों दोनों के लिए खाद के उत्पादन के लिए सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि में स्थापित की जा सकती है जो किसी भी आर्थिक उपयोग के अधीन नहीं है बल्कि छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त है। स्थल भी जल संसाधन के निकट होना चाहिए

वर्मी कम्पोस्टिंग, जिसे सही मायने में "कचरे से सोना" कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मिन कम्पोस्टिंग उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है; मिट्टी की उत्पादकता से खेती की लागत कम हो जाती है।

पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मिन कम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

1. SHG/CIG . का विवरण

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	दुर्गा शक्ति
वीएफडीएस	::	तोरजाजारो
श्रेणी	::	धरमपुर
विभाजन	::	जोगिंदर नगर
गाँव	::	तोरजाजारो
खंड	::	धरमपुर
जिला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	20
गठन की तिथि	::	17-04-2019
बैंक खाता संख्या	::	87491300000855

बैंक विवरण	::	एचजीबीछतर
एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	रु.100 प्रति सदस्य
कुल बचत		
कुल अंतर-ऋण		
नकद ऋण सीमा		
चुकौती स्थिति		

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	उम्मीदवार का नाम	उम्र	वार्ड का नाम	श्रेणी	संपर्क नंबर	पद
1	शर्मिला देवी डब्ल्यू/ओ राजेश	42	सुंदल	आम	82197-50005	राष्ट्रपति
2	अनीता देवी डब्ल्यू/ओ सुरेश कुमार	44	सुंदल	आम	86796-47660	उप राष्ट्रपति
3	इंद्रा देवी डब्ल्यू/ओ हेम राज	47	सुंदल	आम	82191-94762	सदस्य
4	कमलेश कुमारी डब्ल्यू/ओ रवि कुमार	31	सुंदल	आम	98053-38111	सदस्य
5	बिमला देवी डब्ल्यू/ओ केदार सिंह	50	सुंदल	आम	82141-94762	सदस्य
6	सुनीता देवी डब्ल्यू/ओ लेख राज	45	सुंदल	आम	84290 12072	सदस्य
7	प्रेम लता डब्ल्यू/ओ संजीव कुमार	44	सुंदल	आम	86797-06842	सदस्य
8	खिमी देवी डब्ल्यू/ओ अमर सिंह	60	सुंदल	आम	86792-60618	सदस्य
9	बबली देवी डब्ल्यू/ओ बलवंत सिंह	35	सुंदल	आम	86795-60047	सदस्य
10	सीमा देवी डब्ल्यू/ओ अशोक कुमार	37	सुंदल	आम	88942-73956	सदस्य
1 1	किरना देवी डब्ल्यू/ओ नरेश कुमार	36	सुंदल	आम	86797-21809	सदस्य
12	शेला देवी डब्ल्यू/ओ प्रताप चांदो	50	सुंदल	आम	98573-40976	सदस्य
13	भरमी देवी डब्ल्यू/ओ चमारू राम	70	सुंदल	आम	86289-33919	सदस्य
14	निक्की देवी डब्ल्यू/ओ सोहन सिंह	60	सुंदल	आम	86289-33419	सदस्य
15	सुमना देवी डब्ल्यू/ओ राजपाली	44	सुंदल	आम	78766-94974	सदस्य
16	किरना देवी डब्ल्यू/ओ मोहन लाल	40	सुंदल	आम	98570-89645	सदस्य
17	किरना देवी डब्ल्यू/ओ प्रमोद	30	सुंदल	आम	78089-35855	सदस्य
18	रीना देवी डब्ल्यू/ओ बलवीर	35	सुंदल	आम	90157-54696	सदस्य
19	अनीता देवी डब्ल्यू/ओ विजय कुमारी	28	सुंदल	आम	86796-47664	सदस्य
20	विद्या देवी डब्ल्यू/ओ दामोदर दास	45	सुंदल	आम		सदस्य

3. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	115 किमी
3.2	मेन रोड से दूरी	::	.5 किमी
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	धरमपुर 12 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी		धरमपुर, 12 किमी
3.5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी		धरमपुर, 12 किमी

3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	एचपी वन विभाग और जोगिंदर नगर, धरमपुर

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	::	वर्मी कम्पोस्टिंग
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय की गई है।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

5. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

कदम		विवरण
चरण 1	::	प्रसंस्करण जिसमें कचरे का संग्रह, कतरन, धातु का यांत्रिक पृथक्करण, कांच और चीनी मिट्टी की चीज़ें और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण दो	::	पशुओं के गोबर के घोल के साथ सामग्री को ढेर करके बीस दिनों के लिए जैविक कचरे का पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से सामग्री को पचाती है और केंचुआ खपत के लिए उपयुक्त है। मवेशियों के गोबर और बायोगैस के घोल को सुखाने के बाद इस्तेमाल किया जा सकता है। गीले गोबर का उपयोग वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के लिए नहीं करना चाहिए।
चरण 3	::	केंचुआ बिस्तर तैयार करना। वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़े को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय भी; सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण 4	::	वर्मी कम्पोस्ट संग्रह के बाद केंचुओं का संग्रह। पूरी तरह से कंपोस्ट की गई सामग्री को अलग करने के लिए कंपोस्ट की गई सामग्री को छान लें। आंशिक रूप से कम्पोस्ट की गई सामग्री को फिर से वर्मी कम्पोस्ट बेड में डाल दिया जाएगा।
चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)

6.2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	1
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	खुला बाजार
6.5	कच्चा माल - आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलो) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
6.6	प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान	::	एचपी वन विभाग
7.2	इकाई से दूरी	::	स्थानिय बाज़ार अपने खेत पर प्रयोग करें
7.3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	एचओ वन विभाग उनकी नर्सरी के लिए भारी मात्रा में वर्मी-कम्पोस्ट खरीद रहा है
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित वर्मी-कम्पोस्ट की खरीद की सुविधा प्रदान करेगा।
7.5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
7.6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7.7	उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

8. स्वोट अनालिसिस

❖ **ताकत**

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं
- एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
- उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे

- उत्पाद आत्म-जीवन लंबा है

❖ **दुर्बलता**
- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ **मौका**
- जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- वर्मी कम्पोस्ट को अपने खेत में लगाने से मिट्टी की सेहत में सुधार होगा और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों का उत्पादन होगा जिससे बेहतर कीमत मिलेगी।
- रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना

❖ **धमकी/जोखिम**
- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

➔ **उत्पादन** -कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा

➔ **गुणवत्ता आश्वासन** -समग्र रूप से

➔ **सफाई और पैकेजिंग** -समग्र रूप से

➔ **विपणन** -समग्र रूप से

➔ **इकाई की निगरानी** -समग्र रूप से

10. अर्थशास्त्र का विवरण

(राशि वास्तविक रु. में)

क्र मांक	विवरण	इकाइयों	मात्रा / संख्या।	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए।	**पूंजी लागत**								
ए.1	**गड्ढे और शेड का निर्माण**								
1	शेड सहित निर्माण के साथ-साथ श्रम लागत (आकार 20ftX4ftX2ft का होगा)	प्रति सदस्य	20	12000	240000	0	0	0	0
2	लोहे की परी के साथ कवर शेड का निर्माण	प्रति सदस्य	20	8000	160000				
	उप-कुल (ए.1)				**400000**	**0**	**0**	**0**	**0**
.2	**यंत्रावली और उपकरण**								
3	उपकरण, उपकरण, वजन पैमाने आदि।	प्रति सदस्य	20	2000	40000	0	0	0	0
	उप-कुल (ए.2)				**40000**	**0**	**0**	**0**	**0**
	कुल पूंजीगत लागत (ए.1+ए.2)				**440000**	**0**	**0**	**0**	**0**

बी	**आवर्ती लागत**								
4	बीज केंचुआ	प्रति किलो	40	500	20000	0	0	0	0
5	गारा/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत	टन	230	900	207000	217350	228218	239628	251610
6	श्रम लागत	प्रति टन	115	700	80500	84525	88751	93189	97848
7	पैकिंग सामग्री	नहीं।	10000	2	20000	21000	22050	23153	24310
8	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	115	150	17250	18113	19018	19969	20967
सी	**अन्य शुल्क**								
9	बीमा	एल/एस			0	0	0	0	0
10	ऋण पर ब्याज	प्रतिवर्ष		2 प्रतिशत	8800	8800	8800	8800	8800
	कुल आवर्ती लागत				**333550**	**349788**	**366837**	**384739**	**403536**
	कुल लागत - पूंजी और आवर्ती				**773550**	**349788**	**366837**	**384739**	**403536**
डी	**वर्मी कम्पोस्टिंग से आय**								
1 1	**वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री**	टन	115	**6000**	**690000**	**724500**	**760725**	**798761**	**838699**
12	**केंचुआ की बिक्री**					**20000**	**40000**	**40000**	**40000**
13	**कुल राजस्व**				**690000**	**744500**	**800725**	**838761**	**878699**
14	शुद्ध रिटर्न (सीबी)				**-83550**	**394713**	**433888**	**454023**	**475164**

ध्यान दें- चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्य स्वयं करेंगे औरउनके स्थान पर गारा/गोबर/कचरा पहले से ही उपलब्ध है और इन सामग्रियों की खरीद उनके द्वारा नहीं की जाएगी, इसलिए, आवर्ती लागत (श्रम लागत, घोल/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत) को कुल आवर्ती लागत से घटाया जा सकता है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**	
पूंजी लागत	**440000**	**0**	**0**	**0**	**0**	
आवर्ती लागत	**333500**	**349788**	**366837**	**384739**	**403536**	
कुल लागत	773500	349788	366837	384739	403536	2278400
कुल लाभ	**690000**	**744500**	**800725**	**838761**	**878699**	**3952686**
शुद्ध लाभ	-83500	394712	433888	454022	475163	1674286
लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	**2278400**					
लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	**3952686**					
लाभ लागत अनुपात	**1.73**					

शुद्ध लाभ का वितरण -उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

11. आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार एक गड्ढे के लिए 20X4X2 फीट की योजना बनाई गई है।
- वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत रु. 3.2 प्रति किग्रा
- वर्मी कम्पोस्ट (रूढ़िवादी पक्ष) की बिक्री रु. 6 प्रति किलो
- रुपये का शुद्ध लाभ होगा। 2.8 प्रति किग्रा
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रत्येक वर्ष 5.4 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी 14 सदस्यों द्वारा 80 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन किया जाएगा।
- केंचुआ की कीमत रुपये रखी गई है। 500.00 प्रति किग्रा
- दूसरे दूसरे वर्षों के दौरान, बिक्री के लिए अतिरिक्त मिट्टी का काम होगा (क्योंकि यह वर्मी-कम्पोस्ट के उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान कई गुना बढ़ जाएगा)
- वर्मी कम्पोस्ट बनाना एक लाभदायक IGA है और इसे SHG सदस्यों द्वारा लिया जा सकता है।

12. फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	440000	220,000	220,000
2	कुल आवर्ती लागत	333500	0	333500
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	0
	कुल =	823500	270000	553500

ध्यान दें-

- **पूंजी लागत** -परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- **आवर्ती लागत** -To be borne by the SHG/CIG.
- **Trainings/capacity building/ skill up-gradation** - To be borne by the Project

13. निधि के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 50% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा • तक1 लाख रुपये SHG बैंक खाते में जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

	लागत। • डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी को मूल राशि की किश्तों का भुगतान नियमित आधार पर करना होता है।	
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 50% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

14. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

16. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

17. समूह चित्र

समूह के सदस्य फोटो

कमलेश कुमारी सरोजा देवी विद्या देवी सीमा देवी प्रेम लता

नर्वदा देवी बिमला देवी अनीता देवी भामी देवी

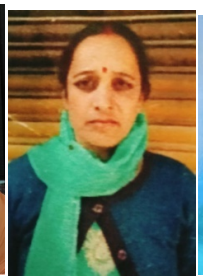

रीना देवी इंद्रा देवी शीला देवी सुमना देवी खिमी देवी

नीलम कुमारी शर्मिला देवी अनीता देवी किरण देवी निकी देवी

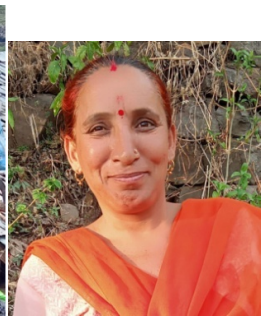

किरना देवी सुनीता देवी किरना देवी

Resolution - cum -Group Consensus Form

It is decided in General House meeting of self Help Group_ Durga shakti held on 20-09-2021__ at Sundal__ that our Self Help Group will undertake the______ Vermicompost________ as Livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihood (JICA Assisted).

Signature of Group Pradhan

रमिला देवी

Signature of Group Secretary

Business Plan Approval by VFDS &DMU

Durga shakti Self help group will undertake the Vermicompost has livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management and Livelihood (JICA Assisted) in this regard business plan of amount (Rs) 8,23,500 has been submitted by this group on dated 20-09-2021_ and this business plan has been approved by 20-09-2021 VFDS.

Business plan with SHG resolution being submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank you

प्रधा. —
गाँव वन विकास समिति
कफलाणी माता टौर जाजर
तह० धर्मपुर जिला मण्डी
Signature of VFDS Pradhan

सचिव
ग्राम वन विकास समिति
कफलाणी माता टौर जाजर
तह० धर्मपुर जिला मण्डी
Signature of VFDS Secretary

U.-Cum
onal Forc icer
ler Nagar